युवा बोलें

युवाओं के यौन और प्रजनन स्वास्थ्य तक पहुँच पर एडवाइजरी ग्रुप के सदस्यों[1] और यूथ के बोल[2] के युवा नेताओं की समझ और सुझाव

1 एडवाइजरी ग्रुप भारत भर के युवा नेताओं का एक प्रतिनिधि समूह है जो यूथ के बोल के जनादेश और रणनीति पर सलाह देता है। युवा लोगों की आवाज़ को शामिल करने और परिवर्तन लाने के लिये महत्वपूर्ण हितधारकों के रूप में उनके साथ साझेदारी बनाने के लिये यूथ के बोल की युवाओं को जोड़ने की रणनीति के हिस्से के रूप में, यह समूह, गर्भनिरोधक तक पहुँच को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करेगा।

2 यूथ के बोल एक अखिल भारतीय, विविध और 10 लाख प्रतिनिधियों का मज़बूत युवा-नेतृत्व वाला गठबंधन है। दसरा, यूनिसेफ युवाह, रेस्टलेस डेवलपमेंट और युवा संस्था के साथ साझेदारी में, यूथ के बोल के निर्माण का संचालन कर रहा है।

यूथ के बोल का उद्देश्य भारत भर में टियर 2 और टियर 3 शहरों से 18-29 वर्ष की आयु के बीच युवा लोगों को एक साथ लाना है ताकि गर्भनिरोधक और यौन और प्रजनन स्वास्थ्य तक उनकी पहुँच को मजबूत करके युवा लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

युवाओं के लिये; युवाओं के द्वारा

2021 में, गठबंधन के मूलभूत स्तंभों को 150 युवाओं के साथ मिलकर-डिज़ाइन किया गया था। मिलकर-डिज़ाइन करने के दृष्टिकोण में कार्यशालाओं की एक श्रृंखला और बाद में युवा-नेतृत्व में सत्यापन शोध शामिल था, जो इस बात को स्पष्ट करते थे कि युवा लोग मानते हैं कि:

“यौन और प्रजनन स्वास्थ्य पर जानकारी और पहुँच, बेहतर जीवन विकल्प बनाने के लिये शक्ति और एजेंसी की ओर ले जाती है”

यह सभी के लिये अपने व्यक्तिगत सपनों को पूरा करने के विकल्प प्रदान करता है। यदि बातचीत सामान्य हो जाती है, वर्जनाओं और कलंक से मुक्त होती है, तो युवा उस जानकारी को प्राप्त कर सकते हैं जिसकी उन्हें आत्मविश्वास, जुड़ाव और सुरक्षित महसूस करने के लिये ज़रूरत होती है। वे समझदारी से निर्णय लेने के लिये तैयार होंगे, और इसके कारण समाज स्वस्थ और बेहतर होगा।

यूथ स्पीक्स

‘यूथ स्पीक्स’ यौन और प्रजनन स्वास्थ्य तक पहुँच पर सलाहकार समूह के सदस्यों और यूथ के बोल के नेताओं की समझ और सुझावों का मिश्रण है। यह उन 150 युवाओं की समझ का प्रतिनिधित्व करता है जिनसे हमने 2021 में मिलकर-डिज़ाइन करने के चरण के दौरान बात की थी और 226 युवा लोगों से हमने सितंबर 2022 में बात की थी।

हमने किनसे बातचीत की?

226
उत्तरदाता

127
महिलाएं

89
पुरुष

7
नॉन-बाइनरी

0
ट्रांसजेंडर

3
कहना नहीं चाहेंगे

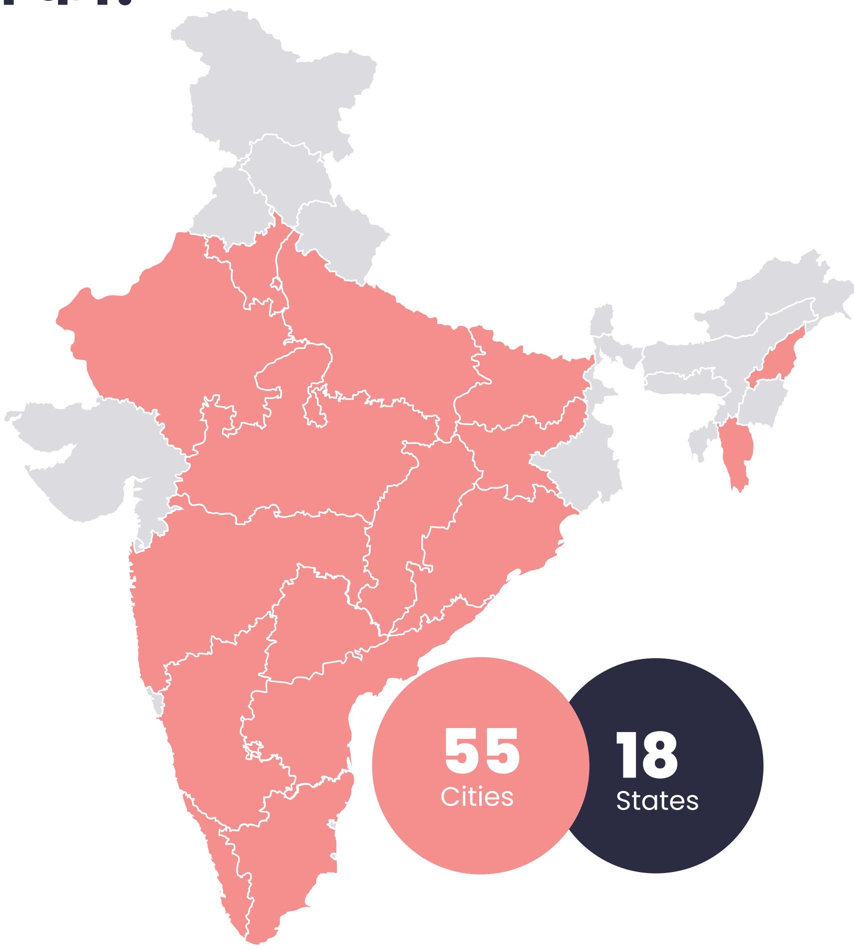

11
उत्तरदाता 17 वर्ष के या उससे कम

177
उत्तरदाता 18-24

38
उत्तरदाता 25 वर्ष के या उससे अधिक

हमने क्या पूछा?

- क्या आपको लगता है कि आपके पास यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में भरोसेमंद जानकारी तक पहुँच है?
- गर्भनिरोधक तक सुरक्षित पहुँच का आपके जीवन के किन पहलुओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है?
- क्या आपकी पहुँच ऐसे स्थान या प्लेटफॉर्म तक है जहा आप अपनी आकांक्षाओं के बारे में निर्णय निर्माताओं से बात कर सकते हैं?
- आप किन व्यक्तियों और मंचों से बात करने में सहज महसूस करते हैं?
- क्या आपको यौन और प्रजनन स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी और सेवाओं तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?

युवा लोग गर्भनिरोधक तक पहुँच और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के बीच एक स्पष्ट संबंध देखते हैं

उत्तर देने वाले 226 युवाओं ने गर्भनिरोधक तक पहुँच और अपनी निम्नलिखित क्षमता के बीच एक स्पष्ट संबंध देखा:

अपनी शिक्षा पूरी करने	71.2%
अपनी पसंद का कैरियर बनाने	61%
काम या घूमने के लिये इधर-उधर जाने	61.5%
काम करना भी है या नहीं, चुनने	49.5%

60% से अधिक युवाओं ने गर्भनिरोधक तक उनकी पहुँच और शिक्षा और रोजगार दोनों तक पहुँचने की क्षमता के बीच एक स्पष्ट संबंध देखा

गर्भनिरोधक तक पहुँच की कमी का युवा भारतीयों की आकांक्षाओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, उत्तर देने वाली 127 महिलाओं ने निम्नलिखित में गर्भनिरोधक तक उनकी पहुँच और उनकी क्षमता के बीच स्पष्ट संबंध देखा:

अपनी शिक्षा पूरी करने	70.8%
अपनी पसंद का कैरियर बनाने	60.6%
काम या घूमने के लिये इधर-उधर जाने	59.8%
काम करना भी है या नहीं, चुनने	48%

एनएफएचएस (NFHS) 5 के अनुसार, 15 से 49 वर्ष की महिलाओं की कुल प्रजनन दर (अर्थात, उनके जीवनकाल में उनके बच्चों की संख्या), बिना शिक्षा वाली महिलाओं (2.8 पर) की तुलना में, 12 वर्ष से अधिक की शिक्षा प्राप्त महिलाओं में (1.8 पर) कम थी।

इसका मतलब क्या है?

युवा लोग, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य पर पहुँच को बेहतर जीवन विकल्प बनाने में सक्षम होने के लिये एक साधन के रूप में देखते हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि युवा लोग समाज में शामिल महसूस करें, और अपनी यौन और प्रजनन स्वास्थ्य ज़रूरतों को आत्मविश्वास के साथ संभालने के लिये तैयार हों।

स्रोत: इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज (IIPS) और आईसीएफ (ICAF) 2021 | राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5), 2019 - 2019-21 के बारे में अतिरिक्त जानकारी के लिए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5)

युवा चाहते हैं कि यौन और प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और हस्तक्षेप अधिक पहुँच के अंदर, समावेशी और सुलभ हों

हालाँकि, कुछ बाधाएं हैं जो युवा लोगों की यौन और प्रजनन स्वास्थ्य तक पहुँच में बाधा डालती हैं:

41.1%
उत्तरदाताओं ने बताया कि मौजूदा सेवाओं और सूचनाओं के बारे में जागरूकता की कमी है

19.4%
उत्तरदाताओं ने सामाजिक कलंक और पूर्वाग्रहों के कारण पहुँच में कमी बतायी

13.27%
उत्तरदाताओं ने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और सेवा प्रदाताओं के पक्षपातपूर्ण रवैये को कारण बताया

11.9%
उत्तरदाताओं ने सामाजिक भेदभाव पर रहने को कारण बताया

6.6%
उत्तरदाताओं ने ऊंची कीमतों को कारण बताया

65.1%
महिला उत्तरदाताओं (respondents) और
71%
पुरुष उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में भरोसेमंद जानकारी तक पहुँच प्राप्त है

गैर-बाइनरी (स्त्री या पुरुष के अलावा) के रूप में पहचान रखने वाले उत्तरदाताओं को सामाजिक कलंक, पूर्व-धारणाओं और ऊंची कीमतों के मामले में काफी अधिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है। यौन और प्रजनन स्वास्थ्य तक पहुँचने में, पुरुषों की तुलना में अधिक महिलाओं ने बाधाओं का सामना करने की सूचना दी

बाधाएँ	महिलाएं	पुरुष	नॉन-बाइनरी	कहना नहीं चाहेंगे
सवास्थ्य कार्यकर्ताओं और सेवा प्रदाताओं का पक्षपातपूर्ण वयवहार	17.3%	7.8%	-	33.3%
ऊंची कीमतें	7.8%	3.3%	14.2%	33.3%
सामाजकि भेदभाव होना	14.9%	8.9%	-	
सामाजकि कलंक और पूरव-धारणाएँ	20.4%	14.6%	71.4%	
मौजूदा सेवाओं और जानकारी के बारे में जागरूकता के कमी	37%	49%	14.2%	33.3%

एनएचएफ़एस डेटा के अनुसार:

- भारत में महिलाओं के उच्च आयु वर्ग की तुलना में 15-24 वर्ष की किशोरियों और युवा महिलाओं की अपूरित आवश्यकताएं सबसे अधिक (17.4%) हैं।
- 10 में से एक से कम (9.5%) पुरुषों द्वारा कंडोम का उपयोग किये जाने से, महिला नसबंदी गर्भनिरोधक का सबसे लोकप्रिय तरीका है और बल्कि पिछले पाँच वर्षों में यह 36% से बढ़कर 37.9% हो गया है। पुरुष नसबंदी बिना किसी बदलाव के 0.3% पर बनी हुई है।
- एक तिहाई से अधिक पुरुषों का मानना है कि गर्भनिरोधक महिलाओं की ज़िम्मेदारी है और पुरुषों को इसके बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है

इसका मतलब क्या है?

युवाओं के लिये बेहतर यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिये, पुरुषों और लड़कों को संवाद में शामिल करने और स्वस्थ और सकारात्मक संबंधों के सफर में अपनी भूमिका को देखना शुरू करने की ज़रूरत है। पुरुषों और लड़कों का जुड़ाव बढ़ाने के लिये अवसर पैदा करना और स्कूल स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम (SHWP) सहित राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (RKSK) जैसे मौजूदा किशोर स्वास्थ्य और परिवार नियोजन कार्यक्रमों को मज़बूत बनाना सभी युवा लोगों द्वारा यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में एक कलंक मुक्त और बिना आलोचना के खुलकर बातचीत करना सुनिश्चित करेगा।

युवा लोग उन स्थानों, अवसरों और संसाधनों तक अधिक पहुँच चाहते हैं जहाँ वे निर्णय लेने वालों से अपने यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और आकांक्षाओं के बारे में सीधे बात कर सकें।

जिन युवाओं से हमने बात की उनमें से बड़ी संख्या ने कहा कि वे माता-पिता या परिवार के अन्य सदस्यों और शिक्षकों या शैक्षणिक संस्थानों के अन्य लोगों से बात कर सकते हैं, जबकि कम लोगों ने महसूस किया कि वे स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों से बात कर सकते हैं, यह दर्शाता है कि युवा लोगों को सार्वजनिक स्थानों और स्वास्थ्य प्रणाली से कलंक मुक्त, सुलभ देखभाल तक बेहतर पहुँच की आवश्यकता है।

57.9%
उत्तरदाताओं के पास उन प्लेटफार्मों तक पहुँच है जहाँ वे अपनी आकांक्षाओं के बारे में व्यक्तियों या संस्थानों से बात कर सकते हैं।

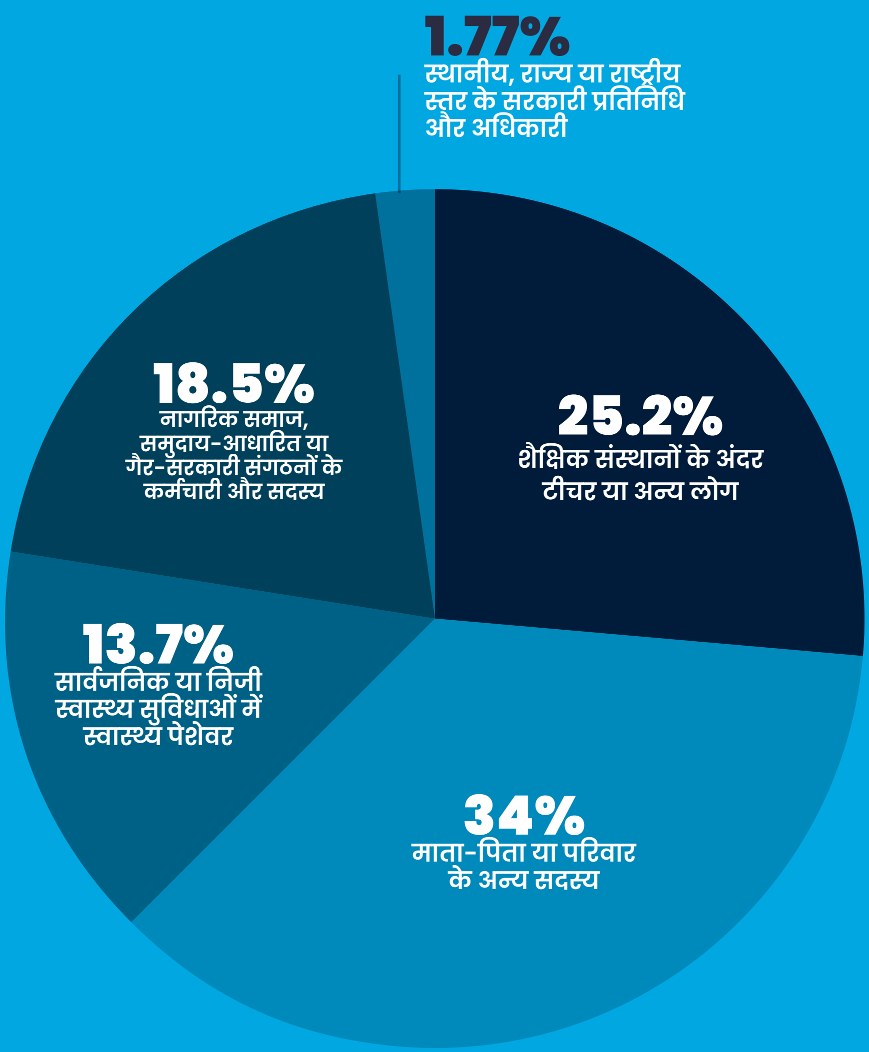

उदय अध्ययन (बिहार और उत्तर प्रदेश में किशोरों और युवा वयस्कों के जीवन को समझना) के अनुसार:

- 93-96% लड़कों और 96-97% लड़कियों ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (AWWs) के बारे में सुना था। आशा के बारे में कम किशोरों ने सुना था - 92-93% अविवाहित और विवाहित बड़ी लड़कियों की तुलना में 77% छोटी लड़कियों ने और 80% बड़े लड़कों की तुलना में 58% छोटे लड़कों ने आशा के बारे में सुना था।

- 10% लड़के (उम्र 10-14), 11% लड़कियां (उम्र 10-14) ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या आशा से परामर्श किया था। इसकी तुलना में 31% शादीशुदा लड़कियों (उम्र 15-19) और केवल 8% अविवाहित लड़कियों (उम्र 15-19) ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या आशा से परामर्श किया था।

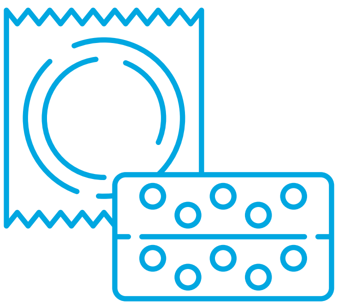

According to NFHS 5:

- 96.9% of adolescents (15-24) with no schooling have knowledge of any contraception method, as compared to 98.8% of those with 12 or more years of education.

इसका मतलब क्या है?

समाधान का सार विश्वसनीय जानकारी तक पहुँच, सुरक्षित, खुला और कलंक मुक्त युवा अनुकूल स्थान है जहाँ युवा साथ में हो सकते हैं और इन मुद्दों पर खुलकर बात कर सकते हैं। ऐसे समतापूर्ण स्थानों और अवसरों का उपलब्ध होना, न केवल स्वास्थ्य परिणामों को प्रभावित करेगा, बल्कि युवाओं के लिये रोजगार, शिक्षा और विवाह से जुड़े निर्णयों जैसे अन्य प्रमुख मुद्दों पर बातचीत करने के लिये भी महत्वपूर्ण होगा।

स्रोत: संथ्या, के. जी., आर. आचार्य, एन. पांडे और अन्य। 2017. (Santhya, K. G., R. Acharya, N. Pandey et al. 2017) बिहार, भारत में किशोरों और युवा वयस्कों (उदय) के जीवन को समझना। नई दिल्ली: पॉपुलेशन काउंसिल।

युवा क्या सलाह देते हैं?

1

माता-पिता, शिक्षकों, सामुदायिक नेताओं, सेवा प्रदाताओं और युवाओं के लिये सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार (एसबीसीसी) अभियानों और लोक सेवा घोषणाओं (पीएसए) का उपयोग करके गर्भनिरोधक और परिवार नियोजन के बारे में बातचीत को सामान्य बनाया जाये

"[हमें चाहिये] इस विषय पर हमारे और हमारे छोटे भाई-बहनों, दोस्तों, अगली पीढ़ी के बीच खुली चर्चा और जागरूकता।"
- युवा उत्तरदाता

2

युवाओं के अनुकूल हस्तक्षेपों का निर्माण और उन्हें संस्थागत बनाने और जेंडर के अनुरूप देखभाल की पेशकश करके जेंडर और प्रजनन स्वास्थ्य जानकारी और सेवाओं तक पहुँच को सुरक्षित और आसान बनाना।

हमारे 95% उत्तरदाता चाहते हैं कि भारत में सभी युवा आत्मविश्वास से दुकान जा सकें और गर्भनिरोधकों सहित प्रजनन स्वास्थ्य उत्पाद खरीद सकें।

"सही समय पर सही जानकारी होना मुझे बहुत सारे आत्म-संदेह से, मेरी जो असुरक्षाएं और घिसिपीटी छवियाँ हैं उनसे बचायेगा और आखिर में मुझे दुनिया को बेहतर तरीके से देखने-जानने में मदद करेगा।"
- युवा उत्तरदाता

3

एसआरएच (SRH) की बातचीतों में सभी युवा लोगों की भागीदारी को मुख्यधारा में लाना; विशेष रूप से लड़कों और पुरुषों को, जहाँ वे जेंडर समतावादी भूमिकाओं और संबंधों के सफर में अपनी भूमिका देखना शुरु करते हैं

हमारे 73% उत्तरदाता चाहते हैं कि लंबे समय के गर्भनिरोधकों को पुरुषों पर लक्षित किया जाये

"महिला के लिये माँ इसके बारे में बात कर सकती है लेकिन पुरुषों के लिये यह उचित बात नहीं है। बात करने के लिये कोई मौका नहीं ... कॉन्डम के बारे में किससे बात करें? ... कई सत्र केवल महिलाओं के साथ किये जाते हैं। "
- युवा उत्तरदाता

4

स्कूल में युवा लोगों के लिये और समुदायों में स्कूल से छोड़ चुके युवाओं के लिये व्यापक यौन शिक्षा शुरु की जाये

91% से अधिक उत्तरदाताओं ने कहा कि वे स्कूलों में व्यापक यौन शिक्षा देखना चाहते हैं

"यदि स्कूल, कक्षाओं में यौन पहचान और जेंडर के स्पेक्ट्रम का परिचय देते हैं, तो इससे युवाओं को [इन विविध पहचानों को] स्वीकार करने और संरक्षित और सुरक्षित महसूस करने में मदद मिलेगी। हमारे लिये नॉर्मल का क्या मतलब है, हमें उसे बदलने की ज़रूरत है।"
- युवा उत्तरदाता

यूथ के बोल युवाओं की आशाओं और सुझावों पर कैसे खरा उतरेगा?

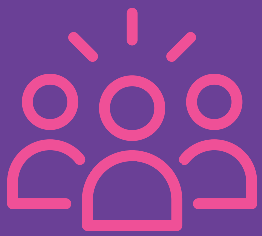

युवा नेताओं के नेतृत्व और अन्य क्षमताओं का निर्माण करना

युवाओं के लिये नेटवर्क और सुरक्षित स्थान हों, इसके लिये राज्य आधारित अध्यायों का निर्माण करना

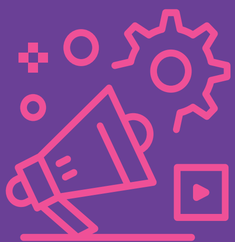

इतिहास बदलने के अभियानों के जरिये युवाओं की आवाज़ को बुलंद करना

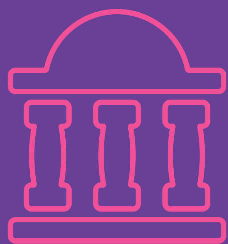

सरकार और अन्य हितधारकों के साथ नियमित रूप से बातचीत करना

यूथ के बोल कहाँ काम करेगा?

यह पहल चयनित राज्यों में युवाओं को डिजिटल तौर पर और उनके समुदायों दोनों में संलग्न करेगी:

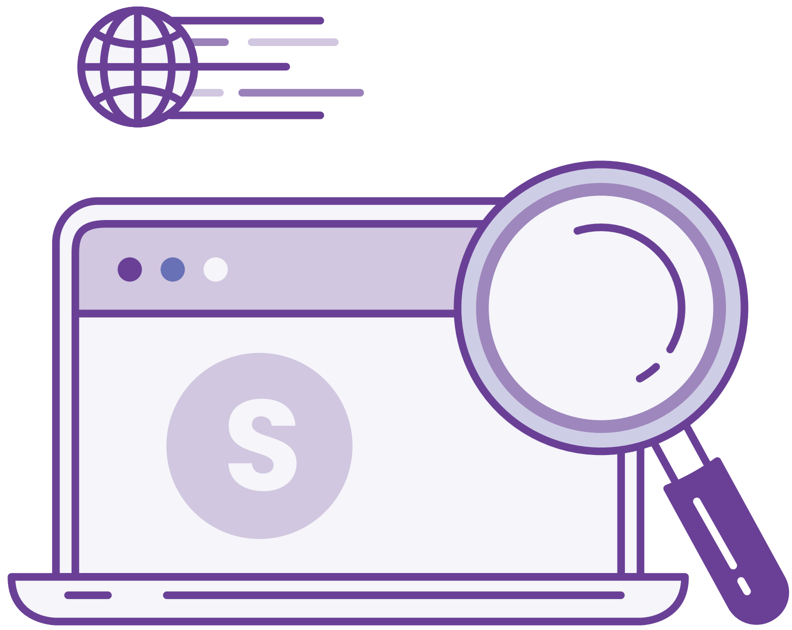

युवा जहाँ हैं उनसे वहीं मिलना: पूरे भारत में युवाओं को जोड़ने के लिये उनके मूल डिजिटल प्लेटफॉर्म पर, जोश, व्हाट्सएप, फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया का उपयोग करके। यूथ के बोल युवाओं द्वारा बनायी गयी सामग्री (कंटेन्ट) को बढ़ाएगा, गर्भनिरोधक, जेंडर समानता और आकांक्षाओं पर बातचीत के लिये ऑनलाइन सुरक्षित स्थान का निर्माण करेगा, प्रभावशाली लोगों को शामिल करेगा और अभियानों और डिजिटल सुनने के सत्रों के माध्यम से युवाओं की बात सुनेगा।

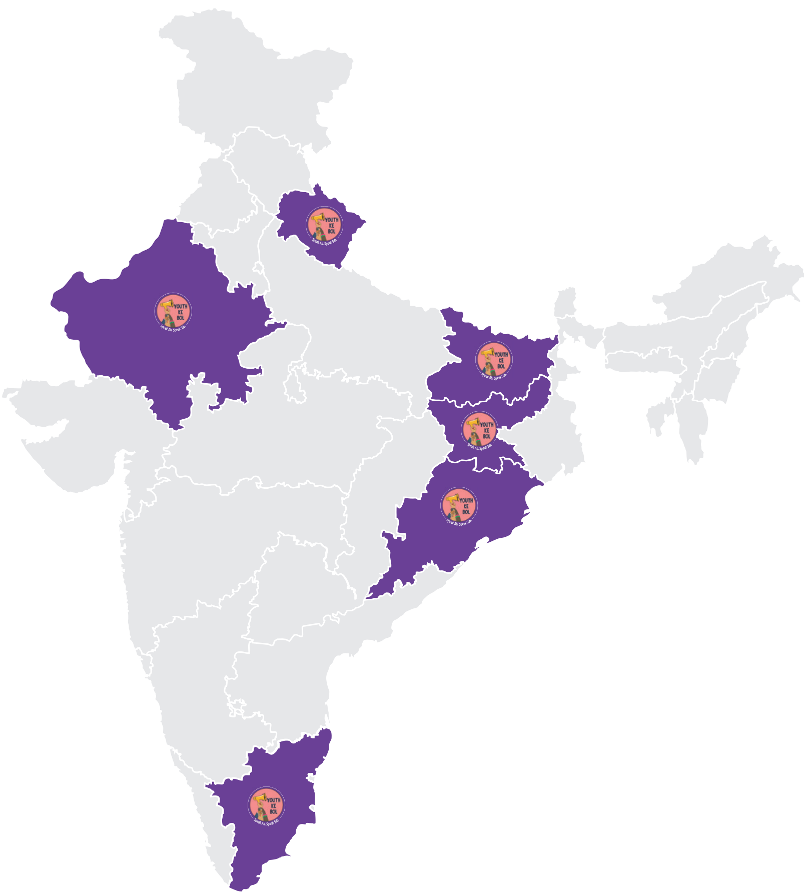

उनके समुदायों में: राज्य आधारित अध्यायों के माध्यम से जहाँ युवा चैम्पियनों को प्रशिक्षित किया जायेगा और वे अपने साथियों को शामिल करेंगे और स्थानीय स्तर पर संवाद, परिवर्तन और अभियानों का नेतृत्व करेंगे।

- सिरमौर, हिमाचल प्रदेश
- अलवर, राजस्थान
- मुंगेर, बिहार
- पाकुड़, झारखंड
- गंजम, उड़ीसा
- वेल्लोर, तमिलनाडु

यूथ के बोल के सभी भागीदारों और युवा सलाहकार समूह के सदस्यों को उनके समर्थन और भागीदारी के लिए विशेष धन्यवाद।

अधिक जानने के लिए
https://10to19community.in/youth-ke-bol/ पर लॉग ऑन करें।
जोश और टिवीटर पर हमें फॉलो करें